

॥ श्री ॥

श्रीहरि-तोषिणी टीका-समलंकृता

(११७)

श्रीगोस्वामी तुलसीदास-रचित

# विनय-पत्रिका

[ हरितोषिणी टीका ]

वियोगी हरि

प्रकाशक

साहित्य-सेवा-सदन, काशी

प्रथम संस्करण

} वसंत-पञ्चमी १९८० वि० { मूल्य २॥  
बढ़िया कपड़े की जिल्द ३) { सजिल्द २॥॥)